Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami ji

Files - III

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री : ॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि·नं·एस·–16820/86

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए–1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय, यमुनाबाज़ार, दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भ-वाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु–भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिस का विवरण इस प्रकार है :–

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत–प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा।

(क) लिखित निबन्ध :–

स्थान, समय, दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182 यमुनाबाज़ार दिल्ली। 8·11·86 (शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख). आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 (रविवार) धर्म·सं·महा·वि·य·बा·दि·

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सकें। (इसके लिये कृपया पू·आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय–वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा।

3· निबन्ध लगभग एक हज़ार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी –विद्या को करनी होगी।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लिख जा सकता है।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आशु भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वद्मण्डल द्वारा किया जायेगा। जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा।

श्री डा· रघुनाथशर्मा एम·ए·पी·एच·डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल (महामंत्री) श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(कृ·प· 3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान
द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान
तृतीय: रू॰150.नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री: ॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि॰नं॰एस॰-16820/86)
(संस्थापक)
अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज
डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय, यमुनाबाजार, दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

(क) लिखित निबन्ध :-

स्थान, समय, दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली । 8·11·86(शनिवार) प्रातः 10 बजे

(ख). आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 (रविवार) धर्म·सं·महा·वि·य·बा·दि·

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सकें । (इसके लिये कृपया पू·आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें ।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हजार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो [घंटे] का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लिखा जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आशु भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वन्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा॰ रघुनाथशर्मा एम·ए·पी·एच·डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल (महामंत्री) श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान

तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान
द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-रु॰ मूल्य के परिधान
तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री: ॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि॰न॰एस॰-16820/86

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय, यमुनाबाजार, दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

(क) लिखित निबन्ध :-

स्थान, समय, दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली । 8·11·86(शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख). आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 (रविवार) धर्म॰सं॰महा॰वि॰य॰बा॰दि॰

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सकें । (इसके लिये कृपया पू॰आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें ।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हजार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लिखा जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आशु भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वन्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा॰रघुनाथशर्मा एम॰ए॰पी॰एच॰डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल (महामन्त्री) श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(कृ॰प॰3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान
द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान
तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री : ॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली ॥रजि•न•स

॥संस्थापक॥

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27•10•86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय , यमुनाबाज़ार , दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

॥क॥ लिखित निबन्ध :-

स्थान,समय,दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाज़ार दिल्ली ।
8•11•86॥शनिवार॥ प्रात: 10 बजे

॥ख॥, आशुभाषण प्रतियोगिता : 9•11•86 ॥रविवार॥
धर्म•सं•महा•वि•य•बा•दि•

नियम

1• लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सकें । ॥इसके लिये कृपया पृ•आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें । ॥

2• लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3• निबन्ध लगभग एक हज़ार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4• निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लिखा जा सकता है ।

5• लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आ भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6• आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक ॥श्री राष्ट्रालोक से॥ प्रतियोगित के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7• दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वन्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा•रघुनाथशर्मा एम•ए•पी•एच•डी
॥उपाध्यक्ष॥

श्री राजकुमार अग्रवाल॥महामंत्री॥ श्री रत्नलाल अग्रवाल ॥प्रचारमन्त्री॥

(कृ•प•3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान

तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्री:॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि·न·सं·

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड,
नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय , यमुनाबाज़ार , दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

(क) लिखित निबन्ध :-

स्थान,समय,दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली ।
8·11·86(शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख). आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 (रविवार)
धर्म·सं·महा·वि·य·बा·दि·

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सके । (इसके लिये कृपया पू·आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें ।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हजार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लिखा जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आशु भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री' राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वन्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा·रघुनाथशर्मा एम·ए·पी·एच·डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल(महामन्त्री) श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(क्रु. प. 3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान
द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान
तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री: ॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि·न·एस

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड,
नई दिल्ली।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय , यमुनाबाज़ार , दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

<u>विषय</u>: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा।

(क) लिखित निबन्ध :-

<u>स्थान, समय, दिन</u>. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाज़ार दिल्ली। 8·11·86(शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख), आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 (रविवार) धर्म·सं·महा·वि·य·बा·दि·

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सकें। (इसके लिये कृपया पू·आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा।

3· निबन्ध लगभग एक हज़ार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लिखा जा सकता है।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आशुभाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वद्मण्डल द्वारा किया जायेगा। जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा।

श्री डा·रघुनाथशर्मा एम·ए·पी·एच·डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल (महामन्त्री) श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(कृ·प·3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान
द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान
तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री: ॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली ﴾रजि॰न॰एस॰ ... 86

﴾संस्थापक﴿

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय, यमुनाबाजार, दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

﴾क﴿ लिखित निबन्ध :-

स्थान, समय, दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली । 8·11·86﴾शनिवार﴿ प्रात: 10 बजे

﴾ख﴿. आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 ﴾रविवार﴿ धर्म॰सं॰महा॰वि॰य॰बा॰दि॰

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सके । ﴾इसके लिये कृपया पू॰आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें । ﴿

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हजार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लि जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही .. भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक ﴾श्री राष्ट्रालोक से﴿ प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वद्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा॰रघुनाथशर्मा एम॰ए॰पी॰एच॰डी
﴾उपाध्यक्ष﴿

श्री राजकुमार अग्रवाल﴾महामंत्री﴿ श्री रत्नलाल अग्रवाल ﴾प्रचारमन्त्री﴿

(क्र.प.3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-रु॰ मूल्य के परिधान

तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री: ॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि॰न॰एस॰-1..20/86)

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय, यमुनाबाजार, दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

(क) लिखित निबन्ध :-

स्थान,समय,दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली । 8·11·86(शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख), आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 (रविवार) धर्म॰सं॰महा॰वि॰य॰बा॰दि॰

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सके । (इसके लिये कृपया पू॰आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें ।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हजार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में ... जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आ... भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वद्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा॰रघुनाथशर्मा एम॰ए॰पी॰एच॰डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल(महामंत्री)　　श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(कृ॰प॰)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान

तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्री:॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली {रजि॰न॰एस॰ 16820/86}
{संस्थापक}
अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज
डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय, यमुनाबाज़ार, दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

{क} लिखित निबन्ध :-

स्थान, समय, दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाज़ार दिल्ली ।
8·11·86{शनिवार} प्रात: 10 बजे

{ख}, आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 {रविवार}
धर्म·सं·महा·वि·य·बा·दि·

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियो[illegible] दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर स[illegible] {इसके लिये कृपया पू·आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें । }

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हज़ार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा मे[illegible] जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक {श्री राष्ट्रालोक से} प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वद्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा॰रघुनाथशर्मा एम·ए·पी·एच·डी
{उपाध्यक्ष}

श्री राजकुमार अग्रवाल{महामन्त्री}　　　　श्री रत्नलाल अग्रवाल {प्रचारमन्त्री}

(कृ·प· 3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान
द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान
तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Sri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि॰न॰ [illegible] 20/86

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय , यमुनाबाज़ार , दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

(क) लिखित निबन्ध :-

स्थान,समय,दिन. धर्मसंघ महाविधालय 2182यमुनाबाज़ार दिल्ली । 8·11·86(शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख), आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 (रविवार) धर्म·सं·महा·वि·य·बा·दि·

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी [illegible] दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सके (इसके लिये कृपया पू·आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें ।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हज़ार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लि[illegible] जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही [illegible] भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वद्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा॰रघुनाथशर्मा एम·ए·पी·एच·डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल(महामंत्री) श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(कृ·प·3)

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान
द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान
तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री: ॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि॰न॰एस [illegible] 20/86)

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली।

दिनांक: 27.10.86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय, यमुनाबाज़ार, दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा।

(क) लिखित निबन्ध :-

स्थान, समय, दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली। 8.11.86(शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख). आशुभाषण प्रतियोगिता : 9.11.86 (रविवार) धर्म॰सं॰महा॰वि॰य॰बा॰दि॰

नियम

1. लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सके (इसके लिये कृपया पू॰आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें।)
2. लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा।
3. निबन्ध लगभग एक हजार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी।
4. निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में [illegible] जा सकता है।
5. लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही [illegible] भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा।
6. आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा।
7. दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वन्मण्डल द्वारा किया जायेगा। जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा।

श्री डा॰ रघुनाथशर्मा एम॰ए॰पी॰एच॰डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल (महामन्त्री) श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(कृ॰ प॰ 3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान

तृतीय: रू॰150 नक़द एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री:॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि॰न॰एस॰-   20/86)

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय, यमुनाबाजार, दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा।

(क) लिखित निबन्ध :-

स्थान,समय,दिन: धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली।
8·11·86(शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख). आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 (रविवार)
धर्म॰सं॰महा॰वि॰य॰बा॰दि॰

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सकें (इसके लिये कृपया पू॰आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा।

3· निबन्ध लगभग एक हजार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लि[खा] जा सकता है।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आ[शु] भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वद्मण्डल द्वारा किया जायेगा। जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा।

श्री डा॰रघुनाथशर्मा एम॰ए॰पी॰एच॰डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल(महामंत्री)   श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(कृ.प. 3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान

तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री:॥

विद्वद्वरकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली ﴾रजि॰न॰एस॰ ...86﴿

﴾संस्थापक﴿

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय , यमुनाबाज़ार , दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

विषय: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

﴾क﴿ लिखित निबन्ध :-

स्थान,समय,दिन. धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली ।
8·11·86﴾शनिवार﴿ प्रात: 10 बजे

﴾ख﴿. आशुभाषण प्रतियोगिता : 9·11·86 ﴾रविवार﴿
धर्म·सं·महा·वि·य·बा·दि·

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी ... दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सके ﴾इसके लिये कृपया पू·आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें । ﴿

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हज़ार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनीं होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लि... जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही ... भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक ﴾श्री राष्ट्रालोक से﴿ प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वन्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा·रघुनाथशर्मा एम·ए·पी·एच·डी
﴾उपाध्यक्ष﴿

श्री राजकुमार अग्रवाल﴾महामन्त्री﴿ श्री रत्नलाल अग्रवाल ﴾प्रचारमन्त्री﴿

(कृ·१.३)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पुरस्कार

प्रथम: रू॰250 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

द्वितीय: रू॰200 नकद एवं 120/-य॰ मूल्य के परिधान

तृतीय: रू॰150 नकद एवं 120/- रू॰ मूल्य के परिधान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Markal Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

विद्वद्रकल श्री राधा कृष्ण धार्मिक संस्थान, दिल्ली (रजि॰न॰

(संस्थापक)

अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज

डाक का पता : स्टाफ क्वार्टर ए-1, दिल्ली हाई कोर्ट, शेरशाह रोड, नई दिल्ली ।

दिनांक: 27·10·86

प्रतियोगिता

धर्मसंघ महाविद्यालय , यमुनाबाजार ; दिल्ली के छात्रगण को सूचित किया जाता है कि संस्था के संस्थापक अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज के चतुर्थ ब्रह्मनिर्वाणोत्सव एवं संस्था के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में एक लिखित निबन्ध प्रतियोगिता एवं आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहाहै जिस का विवरण इस प्रकार है :-

<u>विषय</u>: अनन्त "श्री जी" द्वारा विरचित राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत ग्रन्थ "श्री" राष्ट्रालोक" से लिया जायेगा ।

(क) <u>लिखित निबन्ध</u> :-

<u>स्थान,समय,दिन</u>: धर्मसंघ महाविद्यालय 2182यमुनाबाजार दिल्ली । 8·11·86(शनिवार) प्रात: 10 बजे

(ख), <u>आशुभाषण प्रतियोगिता</u> : 9·11·86 (रविवार) धर्म·सं·महा·वि·य·बा·दि·

नियम

1· लिखित निबन्ध के लिये उपरोक्त ग्रन्थ की एक प्रति प्रत्येक प्रतियोगी को दस दिन पूर्व दे दी जायेगी ताकि वे इस का समुचित अध्ययन कर सकें । (इसके लिये कृपया पू·आचार्य श्यामलाल जी से सम्पर्क करें ।)

2· लिखित निबन्ध का शीर्षक जो कि उक्त ग्रन्थ में प्रतिपादित विषय-वस्तु से सम्बन्धित होगा प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के समय ही बताया जायेगा ।

3· निबन्ध लगभग एक हजार शब्द परिमाण का होगा जिस के लिये दो घण्टे का समय निर्धारित है। लेखन सामग्री की व्यवस्था प्रतियोगी -विद्यार्थी को करनी होगी ।

4· निबन्ध संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा संस्कृत/हिन्दी मिश्रित भाषा में लिखा जा सकता है ।

5· लिखित निबन्ध प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर ही आ भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अधिकार होगा ।

6· आशुभाषण प्रतियोगिता का शीर्षक (श्री राष्ट्रालोक से) प्रतियोगिता के समय ही सूचित किया जायेगा ।

7· दोनों प्रकार की प्रतियोगिता में अभ्यार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत विद्वन्मण्डल द्वारा किया जायेगा । जिस का निर्णय अन्तिम एवं सर्वोपरि होगा ।

श्री डा·रघुनाथशर्मा एम·ए·पी·एच·डी
(उपाध्यक्ष)

श्री राजकुमार अग्रवाल (महामंत्री) श्री रत्नलाल अग्रवाल (प्रचारमन्त्री)

(कृ·प·3)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री ॥

विद्वद्वरकल श्रीराधाकृष्ण धार्मिक संस्थान

(संस्थापक–अनन्तश्रीविभूषित स्वामी श्री अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज)

ए–१, दिल्ली उच्च न्यायालय, नई दिल्ली।

ब्रह्मीभूत अनन्तश्रीविभूषित स्वामी श्री अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज का ब्रह्मनिवार्णोत्सव एवं संस्थान का तृतीय वार्षिकोत्सव

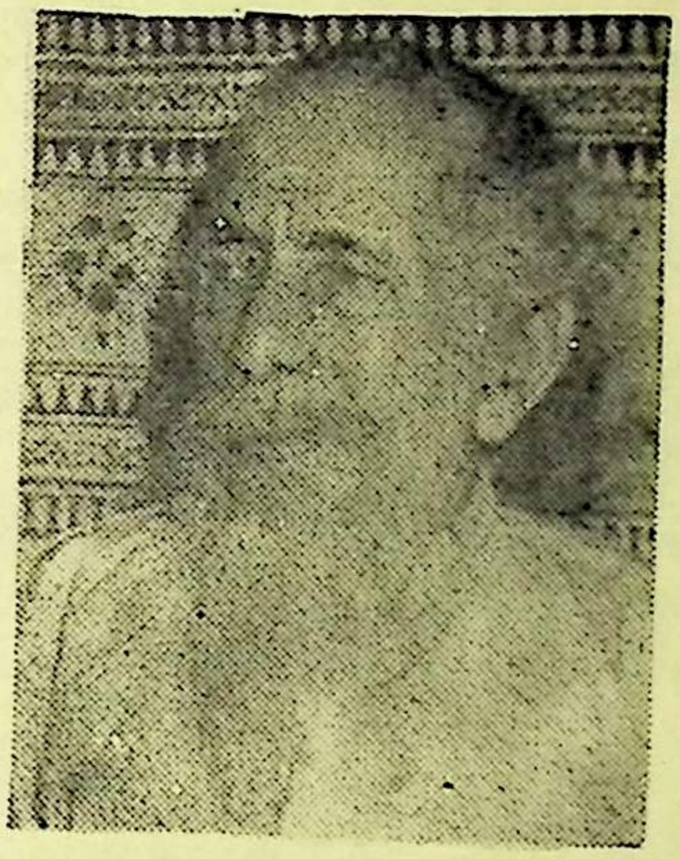

स्थान :–धर्मसंघ महाविद्यालय, २१७२, यमुना बाजार, दिल्ली–११०००६.

समय :–कार्तिक शुक्ल ६, वि० स० २०४२, नवम्बर २०, १९८५, दिन बुधवार।

अध्यक्षता :–अनन्त श्री स्वामी श्री माधवाश्रम जी महाराज (लुधियाना)।

उपाध्यक्ष :–अ० भा० धर्म संघ।

सानिध्य :–आचार्य श्री श्याम लाल शर्मा, प्रधानाचार्य।

इस अवसर पर ब्रह्मसत्र, आराधना, विद्वान सम्मान, प्रवचन, ब्रह्मभोज आदि का आयोजन किया गया है जिस में आप सभी प्रभुप्रेमी सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम :-

ब्रह्मसत्र –उपनिषद् ब्रह्मसूत्र, गीता, विष्णु सहस्रनाम का पाठ तपस्वी ब्राह्मणों के द्वारा, प्रातः ८ से १० बजे तक।

वार्षिकोत्सब में सम्माननीय विद्वान :–पं० श्री लक्ष्मी शङ्कर जी वैद्य, आयुर्वेदाचार्य।

प्रवचन :–(१) अद्वैत वेदान्त–पं० डा० बलजिन्नाथ जी (जम्मू)
(२) भगवद्भक्तिरसामृत–डा० रघुनाथ शर्मा (दिल्ली)
(३) श्रद्धाञ्जलियाँ
(४) वार्षिक विवरण महामंत्री द्वारा।

समय :– प्रातः १० से १२.३० बजे तक।

ब्रह्मभोज :–दण्डी सन्यासी, ब्रह्मण एवं भक्तगण १२.३० बजे से। संस्थान श्री जी महाराज के दुर्लभचित्रों एवं लेखों को छायाचित्र के माध्यम से सुरक्षित रखना चाहता है। जिन महानुभावों के पास महारज श्री के दुर्लभ चित्र, लेख आदि हों वह उन्हें साथ ले आवें। यह सामग्री यथाशीघ्र लौटा दी जावेगी। कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्य लाभ करें।

निवेदक :-

पं० देशराज जी शर्मा (अध्यक्ष)

श्री राजकुमार जी अग्रवाल (महामंत्री)

श्री रत्न लाल जी अग्रवाल जैन (कोषाध्यक्ष एवं प्रचार मंत्री)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan

R.L. Jain
M.A.B.T

gbhav Acharya Collection, New Delhi. Digiti

t Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New

"श्री"

हस्त रेखा अध्ययन

प्रभो शम्भो दीनं निहित शरणम्
त्वच्चरणयोर्~~[illegible]~~ र्भवारण्यादि
-स्माद विषम विषयासि विषवृन्तात
समुद्धृत्य श्रद्धा विधुरमपि वृद्धादर
करं दयां हृष्या परमं निज
तनयमात्मी कुरु शिव ||

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan,

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

DIARY

1969

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

1969

	JANUARY	FEBRUARY	MARCH
Sun	... 5 12 19 26	2 9 16 23	30 2 9 16 23
Mon	... 6 13 20 27	3 10 17 24	31 3 10 17 24
Tues	7 14 21 28	... 4 11 18 25	... 4 11 18 25
Wed	1 8 15 22 29	... 5 12 19 26	— 5 12 19 26
Thur	2 9 16 23 30	6 13 20 27	6 13 20 27
Fri	3 10 17 24 31	7 14 21 28	... 7 14 21 28
Sat	4 11 18 25	1 8 15 22 ...	1 8 15 22 29

	APRIL	MAY	JUNE
Sun	... 6 13 20 27	4 11 18 25	1 8 15 22 29
Mon	— 7 14 21 28	5 12 19 26	2 9 16 23 30
Tues	1 8 15 22 29	... 6 13 20 27	3 10 17 24 ...
Wed	2 9 16 23 30	7 14 21 28	4 11 18 25 ...
Thur	3 10 17 24 ...	1 8 15 22 29	5 12 19 26 ...
Fri	4 11 18 25 ...	2 9 16 23 30	6 13 20 27 ...
Sat	5 12 19 26 ...	3 10 17 24 31	7 14 21 28 ...

	JULY	AUGUST	SEPTEMBER
Sun	... 6 13 20 27	31 3 10 17 24	... 7 14 21 28
Mon	... 7 14 21 28	... 4 11 18 25	1 8 15 22 29
Tues	1 8 15 22 29	... 5 12 19 26	2 9 16 23 30
Wed	2 9 16 23 30	... 6 13 20 27	3 10 17 24 ...
Thur	3 10 17 24 31	... 7 14 21 28	4 11 18 25 ...
Fri	4 11 18 25 ...	1 8 15 22 29	5 12 19 26 ...
Sat	5 12 19 26 —	2 9 16 23 30	6 13 20 27 ...

	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
Sun	... 5 12 19 26	30 2 9 16 23	7 14 21 28
Mon	... 6 13 20 27	... 3 10 17 24	1 8 15 22 29
Tues	... 7 14 21 28	4 11 18 25	2 9 16 23 30
Wed	1 8 15 22 29	... 5 12 19 26	3 10 17 24 31
Thur	2 9 16 23 30	... 6 13 20 27	4 11 18 25 ...
Fri	3 10 17 24 31	... 7 14 21 28	5 12 19 26
Sat	4 11 18 25 ...	1 8 15 22 29	6 13 20 27 ...

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

PERSONAL MEMORANDA

Name Rattan Lal Jain

Address L. 23 Shri Niwas Puri, New Delhi-24

Telephone { Residence x
{ Office 386926 (i)
386952 (ii)

Telegraphic Address

Camera No.

Motor Car No.

Motor Licence Renewal Due

Life Insurance Policy No.

Premium Due

General

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

POSTAL INFORMATION

Letters and Postcard

	P.
Letters	
For the first 15 Grams	20
Every additional 15 Grams	15
Inland Letter	15
Postcards	
Single	10
Reply	20
Book Post Upto 100 Grams	10
,, Every additional 50 Grams	05
Money Order Form	03
Express Delivery Fee	20
Late Fee	20

All mail to principal cities in India carried by air.

OVERSEAS (Sea Mail)

Letters	
Up to 20 Grams	75
Every additional 20 grams or part	45
Postcards	45
Letters to	

Ceylon Nepal and Pakistan India Inland rates apply.

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

OTHER RATES

	P.
Registration fee	70
Regd Acknowledgment due	85
Insurance fees Ist Rs. 100	50
Every additional Rs. 100	30

Insurance for all V p. articles above Rs. 25 is compulsory

CERTIFICATE OF POSTING

For Every 3 Postal article or less presented at one time	10
Identity Card (2"X3")	1.00

SAVINGS BANK

Maximum	Rs. 25000.00
Minimum	5.00

LATE FEES

Posted in R.M.S. office or in any post Office per article	15
Registered articles	20
Foreign	1.00

INLAND PARCELS

Ordinary Mail

For every 400 grams or fraction there of	80

Registration fee 70 p. per Parcel

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

TELEGRAMS
(Inland Ordinery)

	Rs. P.
For 8 Words or less	1. 20
Every additional word	10

INLAND (Express)

For 8 words or less	2. 40
Every additional word	20

FOREIGN

Great Britain and Common wealth Countries :
Ordinary-plain or code-
(Minimum charges as for 7 words)
per word 1. 00
LT (mini charges as for 22 words)
per word 50P.
To U. S. A.
Ordinary-plain or code-
Minimum charges as for 7 words
per word Rs. 1.60
LT min. charges as for 22 word
per words 80 p.

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

NAME & ADDRESS

Name ______________________________

Address ____________________________

Name ______________________________

Address ____________________________

Name ______________________________

Address ____________________________

Name ______________________________

Address ____________________________

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

LIST OF HOLIDAYS 1969.

Lohri	13th	January
Basant Panchmi	22nd	January
Republic-day	26th	January
Shivratri	15th	February
Id-ul-Zuha	28th	February
Holi	3rd	March
Dulhendi	4th	March
Ram Naumi	27th	March
Muharram	29th	March
Baisakhi	13th	April
Mahavir Jayanti	1st	May
Budh Purnima	2nd	May
Id-ul-Milad	29th	May
Bank Holiday	30th	June
Independence Day	15th	August
Raksha Bandhan	27th	August
Janam Ashtami	4th	September
Gandhi Jayanti	2nd	October
Dusehra	20th	October
Deepawali	9th	Nov.
Guru Nank Birthday	23rd	Nov.
Id-ul-Fiter	11st	Dec.
X-Mas Day	25th	Dec.
Bank Holiday	31th	Dec.

Compare with the Govt. List of holidays

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

JAN

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	...

THU

(१)

मस्तिष्क रेखा

बायां हाथ ईश्वर प्रदत्त शक्तियों का द्योतक तथा दाहिना हाथ

FRI

स्वयं अपने परिश्रम से प्राप्त शक्तियों का द्योतक है।

उद्गम-स्थान :-

१. जीवन रेखा के अन्दर की ओर से,

SAT

२. जीवन रेखा से मिली हुई,

३. जीवन रेखा के बाहिर की ओर से

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN

☆

फलादेश न० १ का :—

MON अत्याधिक भावुक, चैतन्य,

☆ कायर, स्वभाव पर शासन

नहीं।

यदि यह रेखा आगे चलकर सीधी

TUE हथेली को पार कर जाती है

तो *उपर्युक्त लक्षण सुधर जायेंगे,

यदि कलाई की ओर झुकेगी तो

नहीं।

WED

फलादेश न० २ का :— भावुकता,

आत्म-विश्वास की कमी।

[illegible]

it Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

JAN

...	...	...	1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	...

THU 2

यदि बहुत अधिक झुकी
हुई हो तो वह व्यक्ति एकांत प्रिय
होगा। या वैराग्य ले लेगा।
या आत्मघात कर लेगा।

FRI 3

नं० ३ का फलादेश:—
(क) जब ज्यादा चौड़ाई नहीं तो भारी
निर्णय शक्ति तथा मानसिक शक्ति
(ख) यदि साफ साफ जाये और हथेली

SAT 4

के आर पार जाये तो दूसरों
पर बहुत प्रभाव और सार्वजनिक
कार्यों में विशेष सफलता।
(ग) खुली हो और मानसिक झुकी और
जावे तो स्वयं निर्वाचित नेता और

it Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN

5

तथा organiser of public movement.

MON

जब उनार बहुत चौड़ी है तो, बदनामी से बचा जाने की कोशिश करेगा, बहुत अधिक क्रोधी।

सर्वोत्तम यदि म.र. बृहस्पति के

TUE उभार से निकले

7

म.रे पर द्वीप नहीं होने चाहिये

यदि म.र, ज.र से बहुत दूर हो और उस पर द्वीप हो तो पागल होजाते

WED

8

यदि द्वीप म.र. पर बृ. के उभार के नीचे हो तो बचपन में पढ़ने की इच्छा नहीं।

it Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

JAN

...	...	...	1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	...

THU 9

यदि शनि के नीचे तो
सिर दर्द, दिमागी जलन, सूजन
यदि सूर्य के नीचे तो (Short sight)
दृष्टि छोटी

FRI 10

यदि बुद्ध क्षेत्र के नीचे हो तो
वृद्धावस्था में दिमागी कमजोरी

प्रथम उंगली = २२ वर्ष
दूसरी " = ४२ " तक

SAT 11

तीसरी " = ६२ " तक
चौथी " = ६२ से ऊपर

it Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN

12 सूर्य की ओर झुके तो धन प्राप्ति की लालसा उत्तरोत्तर बढ़ी

MON

13 ज.र. स्वाभाविक मार्ग छोड़ के और ऊँचा उठे मानो ह.र.द.र से निकली है तो किसी एक इच्छा की पूर्ति के लिये एक निश्चय ~~[illegible]~~

TUE

14 इच्छा पर (सांसारिक), लम्बा होकर तो . दिमागी इच्छा ।

म.र पर या छूने वाले X क्रास दिमागी चोट

WED

15 प्रथम अंगुली के नीचे हो तो, क्रूरता, नहीं बाधिता के कारण चोट

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

JAN

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	...

दूसरी उंगली :- जानवरों के प्रहारों से या कुछ प्रवृत्तियों के कारण

THU 16

तीसरी उंगली = गिरने से या सदमा

चौथी उंगली :- किसान आदि के औजारों के कारण।

FRI 17

चतुर्भुज रेखा को छूने जो अपर हो तो रक्षा करती है।

पुरुषी मानसिक रेखा हो या बाये हथेली से

SAT 18

शुरु हो, उस ओर सारी अंगों को अपने विचार देने की शक्ति।

it Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

SUN
19 यदि एक ही प्र.रे सीधी
लम्बाई को आर पार जाने

MON तो वह बालक एकाग्र
20 चित होता है। यह लक्षण
बहुत कम पाया जाता है
और ऐसा बालक अकेला काम
करना पसंद करता है। किताबें

TUE अधिक तो बहुत होती
21 हैं परन्तु यह आत्मविश्वासी
लगता नहीं

WED
22

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New

JAN

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	...	1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	...

(2)

THU 23

'जीवन रेखा'

लम्बी, स्पष्ट तथा टूटी फूटी नहीं और हर प्रकार के चिन्हों से मुक्त होनी चाहिये।

FRI 24

चौड़ी और छिछली जी.र. बीमारी और खराब स्वास्थ्य

पतली गहरी, लम्बी जी.रे. चैतन्यता, शक्ति. अच्छा स्वास्थ्य

SAT 25

चौड़ी जी.र., बृहस्पति की उभार की ओर ऊपर उठी हो तो अपने ऊपर अधिक अधिकार।

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN शुक्र के उभार से युक्त
26 हो तो अपने परिवार
को, पढ़ने की चाह इच्छा,
उद्दण्डता को प्रकट करती है
MON
27 (चढ़ती हुई रेखायें
Ascending lines)
जी. रे. से कोई रेखा हृ० की ओर
जाये तो हृ उन्नति की इच्छा,
TUE दूसरों पर अधिकार की
28 शक्ति
यदि कोई रेखा मस्तक रेखा से रुके
तो अपनी बेवकूफी से भाग्य
को असफल करेगा, यदि हृदय
WED रेखा से रुके तो उसका
29 प्रेम उसके भाग्य को रोकता है
यदि भाग्य रेखा से मिले और

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New

JAN

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	...	1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	...

तो सफलता का चिन्ह है।

THU 30

शुक्र के अन्दर जी.र.

शुक्र के ऊपर से मंगल के ऊपर
को घेरती हुई जाती है
यह जी.र. को सहारा देती है

FRI 31

बहुत अधिक फैलता, बहुत
कम पाई जाती है यह रेखा
के हाथ पर बहुत अच्छा मिलती

यदि इस के से कोई शाखा

SAT

निकल कर Luna चन्द्र के ऊपर
की ओर जाये तो रस्ता या

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
2
भा.रे. छूटी हो और रेखा
रेखा मौजूद हो तो रोग का
खतरा है जो टल भी सकता है

MON —— – —— ——
3

TUE
4

WED
5

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New

FEB

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	...

THU 6

(३)

'भाग्य रेखा'

उद्गम स्थान :-

१. जीवन रेखा या उसके पास से

२. कलाई से सीधे शनि की उंगली तक

३. चन्द्रमा के उभार से 7

४. हथेली के बीच से

१. का फलादेश :- सफलता अपने

SAT 8

परिश्रम का फल, शुरु के बड़े कठिन; वातावरण अनुकूल नहीं। इसका श्रेय माता पिता के लिये।

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN 9 परन्तु म.रे. स्वच्छ और मजबूत हो तो सारी मुश्किलों को अपने गुणों से जीत लेगा।

MON 10 २. का फलादेश!— हृदय के साथ सूर्य रेखा भी हों तो सर्वोत्तम, यश आदि

(३) का फलादेश:— भाग्य धारना पूर्ण

TUE 11 परिवर्तन शील, यदि छोटी रेखा हृदय रेखा से जुड़ती खुशी की शादी

भाग्य रेखा स्वयं सीधी हो

WED 12 और उस में छोई रेखा चन्द्रमा के ऊपर से आकर मिले तो किसी अन्य का प्रभाव सहायता करता है

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New

...	...	...	...	...	...	1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	...

THU 13

यदि हृदय रेखा मस्तिष्क रेखा
को पार कर गुरु की ओर
जाये तो वह अन्य सुविधा को आकर्षण
सिद्ध करने के पश्चात
बर्बाद कर देता है। यह चिह्न स्त्रियों
के हाथ में अधिक है।

FRI 14

यदि मा. रे. से कोई भी रेखा
निकली हो उपर की ओर जाती
हो तो:-
गु. की ओर:- दूसरों पर शासन,
कोई ऊँचा स्थान, सफलता

SAT 15

को चमत्कार पूर्ण चिह्न।
सूर्य की ओर:- सफलता धन,

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
16 बुद्धि की ओर ! -
विज्ञान का व्यापार में
सफलता

MON
17 यदि . आ. र अपने स्वभाव-
- सिद्ध क्षेत्र शक्ति की ओर
न जाकर, किसी और उधार
की ओर जाये तो उसके जीवन

TUE के साथ कार्य उस प्रकार
18 की विशेषताओं से जुड़े होंगे।

यदि . आ. र . अकेली बिना सारथी
के जाती हो तो वह भाग्य के

WED हाथ का खिलौना होगा।
19 उसे किसी की सहायता नहीं
मिलेगी ! यह बात ध्यान
लिखा नहीं

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

...	...	...	...	...	...	1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	...

THU 20

सूई रेखा का होना
अल्मावस्थाक है चारे किसी
घरग ते हो ।

यिथ. आ. ई. बांवि के ऊपर
को पार करे के उ जोकि

FRI 21

की जड़ तक पहुंच जाने तो
यह अनजान लिमिट है । हर काम
उसके Control से बाहर हो जायेगा ॥

SAT 22

आ.र.ह.र. ते करो तो
प्रेम आ मार बादला .

---

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN 23 यदि मा. र. ह. रे. से मिलकर
हानी के आसार और
आगे बढ़े प्रेम और मेल से

MON 24 सफल होगा, दूसरों से मेल
करके और प्रेम से मालामाली
होगा, दूसरों से मदद और
लाभ उठायेगा।

TUE 25 मा. र. मस्तक रेखा से ऊँचे
तो जीवन उनकी अपनी
मर्जी से चलेगा।

र. को फलादेश :-

WED 26 मुश्किल का आरम्भिक
जीवन, लक्ष्य प्राप्ति के लिये झगड़ा।
परन्तु यदि रेखा साफ तथा

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, No

FEB

...	...	...	...	...	...	1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	...

मजबूत है और एक शान्त सूर्य

THU 27

रेखा की ओर जाये तो
अपने नाम का स्वंय निर्माता
और अपने गुणो से सफलता।
यदि आ.र. , ह.र. से आरम्भ हो

FRI 28

तो टूट फिर वस्तु उस के
जीवन में आदि में आयेगी

आ. र. स्वंय ज. र. के अन्दर से
मंगल के उभार की ओर निकल

SAT

जाये तो आर्थिक क्षेत्र में
जीवन पथ पर प्रभाव डालेगा।
या ऐसे व्यक्ति से प्रेम जिस का
मिलना असम्भव हो। यह चिन्ह
[illegible]

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN

2 जब . मा. रे. स्वस्तिक हो
तो जीवन खुशियों से भरपूर।

MON परन्तु मा. रे को टूटना
3 सदा बुरा चिन्ह नहीं। यदि
बाद की रेखा सीधी और साफ
है तो यह सफल परिवर्तन की
सूचक भी हो सकती है?

TUE

4 प्रभाव कारी रेखा

जब कोई रेखा मा. रे. से मिले
या उस की सहगामिनी हो कर
चले तो उस की शादी होगी

WED परन्तु अगर ये नहीं मिली
5 तो शादी कभी नहीं होगी।

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

MAR

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
30	31	...	...	...	...	1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

आयु की रेखा रेखा छोटी
जिन्दगी की निशानी है

THU 6

मा. रे. छोटी हो तो भाग्य
में अविश्वास, आत्म विश्वास
की द्योतक

FRI 7

जब भा. र बिल्कुल न
हो और मं. रे. भी साधारण हो
हो भाग्य निराशापूर्ण ।

द्वीप

SAT 8

आरम्भ में तो वैवाहिक
के बारे मुक्त, अन्यायपूर्ण बातें।
स्त्री के हाथ में द्वीप भा. रे. को
[illegible]

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN 9 एक द्वीप शुक्र के पेवान (६ पेवों के बीच) हो तो नुकसान, धन की हानि।

MON 10 मा. र. और न.र दोनों पर एक द्वीप आकस्मी मरविता से नुकसान
मा.र. और हृदय. र. पर ६ो

TUE 11 प्रेम सम्बन्धी नुकसान।
द्वीप शनि के उभार पर भा. मा.र के अन्त पर, निराशा और गरीबी के जीवन का अन्त।

WED 12 यदि मा. र. अचानक एक के साथ समाप्त, बड़े खतरों की आशा। मा. र. पर नीले

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

MAR

30	31	...	...	...	...	1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

शक्ति के उभार पर भी तो
ज्ञान को अन्त कहाँ
दुखान्त ! सार्वजनिक
घृणा।

THU
13

FRI
14

SAT
15

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN
16
'सूर्य रेखा'
सफलता की रेखा

MON बिना ज.र. के जातक
17 अन्धकार पूर्ण तक चिन्ता युक्त, कड़ी र शक्तियां बेकार।
फलादेश:- दूसरों पर प्रभाव, धन, मान, जान पहचान,

TUE पुरस्कार
18
उद्गम स्थान:- ① जी.र., ② जी.र., ③ शुक्र के मैदान, ④ चन्द्रमा के ऊपर, ⑤ मस्तक रेखा

WED ⑥ ह्र.र. से या अकेले ही ⑦
19 ऊपर एक छोटी सी रेखा।
① अकेले मेहनत से सफलता, भाग्य से नहीं।
②. अपने प्रयत्नों से जान पहचान।

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

MAR

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
30	31	...	...	...	...	1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

③. किसी भाग्य रेखा से न जुड़ी हो

THU 20

तो मुश्किलों के पश्चात
सफलता ।
④ दूसरों पर आश्रित, नाटक
खेलने वाले, कलाकार, वक्ता,
✓

FRI 21

⑤ मानसिक कार्यों में
सफलता, वैज्ञानिक,
लेखक, Technical
✓ students
⑥. सफलता देर से । खुशी और
late marriage,

SAT 22

सांसारिक सुख !
⑦ सफलता और खुशी
परन्तु Too late.

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN

23 अच्छी स.र. के साथ तीसरी उंगली

~~पहली उंगली से लम्बी हो~~

MON तो जुए का शौक।

24 तीसरी उंगली दूसरी के बराबर

हो तो सब से बड़ी इच्छा

धन जोड़ने की।

TUE तीसरी उंगली बहुत लम्बी

25 हो तो धन का हरण करने

वाला और अगर एक से ज्यादा

~~[illegible]~~ तीन स.र. अच्छी हैं

WED different fields में

26 सफलता की द्योतक है।

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatior

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, No

MAR

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

युद्ध की ओर ले जाने वाली

THU 27

रा. स्व. सं. को करने वाली
[illegible] [illegible] है.

(3)
star सितारा रा.स. पर भारत
होती है
चतुर्भुज राष्ट्रों से [illegible]

FRI 28

गुलामी भारत [illegible]

SAT 29

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN
30 हृदय रेखा
प्रेम की रेखा

MON वृ. के उभार के बाहर से आरम्भ
31 होने पर, प्रेम में अन्धा उत्साह,
कष्ट उठाते हैं
वृ. के उभार के बीच से आरम्भ

TUE आत्मिक संयम तथा आदर्शता
1 यह सर्वोत्कृष्ट है।
प्रथम तथा दूसरी उंगली के बीच
से शुरु शांत एवं ????
प्रकृति।

WED
2 शनि से आरम्भ हो तो
आत्मिक स्वार्थी प्रेम प्रकृति,
यदि शनि से आरम्भ हो तो मनुष्य

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, No

THU 3

हृ.र. जितनी छोटी उतने ही कम प्रेम के अनुभव। जब बहुत लम्बी हो तो सेक्स तथा जलन की इच्छा।

FRI 4

हृ.र. बाहें से जंजीर के समान हो तो विपरीत जाति के प्रति घृणा

हृ.र. एक ही सीधी लाइन हथेली के आर पार हो तब

SAT 5

म.र. से मिली हुई हो तो बहुत एकाग्रता की प्रकृति जिस चीज पर ध्यान लगाते हैं उसी से जुट जाते हैं

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN 6

हृ.र. जिह्वाकार हो, एक शाखा वृ. की ओर, तो बहुत

MON 7

प्रेम मद सम्बन्ध के बहुत (गुरु) का चिह्न है।

टूटी हुई हृ.र. प्रेम सम्बन्धी दुःखान्त घटना की द्योतक

TUE 8

WED 9

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New

APR

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

THU 10

'शादी के चिन्ह'

चौथी उंगली के नीचे से ऊपर पर।
केवल स्वास्थ्य रेखायें ही शादी
से सम्बन्ध रखती है

FRI 11

जब रेखा गहरी हो और
① दिल की रेखा के पास हो
तो शादी अल्प अवस्था में।

जब शा. रे. नीचे को झुके, वह अपने
② जीवन साथी के बाद मरता है।

SAT

③ जब उल्टी दिशा में (ऊपर को 2)
हो तो वह कभी शादी नहीं करेगा।

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN जब रेखा स्पष्ट हो बहुत
13
(4) उसके में से छोटी २ रेखायें निकलें
तो दूसरे साथी के स्वास्थ्य

MON की खराबी के कारण
14 अड़चनें ।

जब रेखा टेढ़ी हो तथा अन्त में
(5) कोई गुणा का चिन्ह हो या कोई
रेखा काटे तो जीवन साथी
की आकस्मिक घटना से मृत्यु

TUE
(6) जब 15 रेखा के आरम्भ में एक द्वीप
हो तो शादी बहुत दिनों तक रुक
जाती है। और होने पर फिर
पृथकता हो जाती है।

(7) WED जब द्वीप अन्त में हो, गृहस्थ
16 जीवन में मुसीबत या वियोग

(8) जब रेखा त्रिशूलाकार हो (—<)
तो separation, बहुत नीचे
(9) ... ... divorced ...

it Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	...	...	...

जबशा. रे. स्वयं या उन को कोई

THU 17

(10) शाखा सूर्य रेखा को आर जावे या उस से मिले तो धनी होगा उस जाति में शादी करता है परन्तु यदि सूर्य रेखा को काट कर (11) नीचे की ओर झुके तो शादी से इज़्ज़त घटेगी।

FRI 18

यदि हृ. के ऊपर से कोई रेखा (12) शा. रे. में आकर मिले तो शादी में रुकावटें परन्तु शा. रे. मज़बूत हो तो दूर हो जायेंगी

SAT 19

(13) शुक्र तथा मंगल के ऊपर से शा. रे. की ओर जाने वाली रेखा

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN यदि प्रभावशाली रेखायें
20 जहाँ वह आयु-रेखा से मिलती
(14) है बहुत मजबूत हो और गु.
के ऊपर पर शी.को.रे. भी
MON
मौजूद हो तो शादी बहुत लाभप्रद
निश्चित होगी (आ.रे. पर मिलने
का वर्ष)
यदि कोई प्रभाव वाली रेखा
(15) TUE आ.रे. के पास पहुँचती
22 है और कुछ दूर उसके
समानान्तर चलती है परन्तु
मिलती नहीं तो कोई बड़ी रुकावट
शादी को होने से रोकेगी।
(16) WED
चन्द्र 23 ऊपर से कोई रेखा
आ.रे. को काट कर अंगूठे की
ओर जाये तो प्रेम बहुत लम्बा

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New

APR

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	...	...	...

THU 24

(17) 'मंगल के उभार पर'
ज.र. के समानान्तर, परन्तु शु.र.
को ज. की अपनी रेखायें नहीं मिलनी
चाहिये, वे लोग बहुत जोशीले
तथा तरंगित होते यदि [illegible] के
हों तो एक समय में कई प्रेम

FRI 25

SAT 26

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN
27 बच्चों की (संतान) की रे.

MON शादी की रेखा के ऊपर
28 खड़ी होती हैं
चौड़ी गहरी = लड़के
पतली सुन्दर = लड़कियां
~~और रेखा का उभार बहुत~~
TUE
29 चपटा या ऊंचा हो तो कोई
संतान नहीं होगी, और पृथक
मणिबन्ध अन्दर को झुका हुआ
धनुषाकार हो तो यह बात और
WED भी निश्चित होगी
30

it Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

MAY

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

स्वास्थ्य रेखा

THU 1

यह बुद्ध के ऊपर के नीचे से
निकल कर सीधी हथेली के
बीच जा कर ज.र. से मिलती
है तो उसी बड़ी बीमारी

FRI

बतलाती है। यह मृत्यु का
स्थान नहीं हो सकता है।

यह रेखा बहुत परिवर्तन शील है
इस का न होना ज्यादा अच्छा

SAT

है।

3

यदि ह.र. से निकले और
स्वा.र. जी.र. से मिले तो
[illegible]

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN सब से अच्छा तो यह है 4 कि हथेली के नीचे हो और ज. इ. को छूते

MON 5

नाखून छोटे नजुना के बिना, गोल हो, स्वा. इ. गहरी तो दिल की दुर्बलता हो जायेगी।

TUE

नाखून लम्बे, बादाम की शकल के फेफड़ों की कमजोरी। परन्तु यदि दबाने पर ऊँ. हो तो T.B.

WED नाखून चपटे, गोले की शकल के, स्वा. इ. गहरी तो फालिज, दिल की भी कमजोरी।

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

MAY

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	...	...	1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

"मंगल का पर्वत"

THU 8

टूटा हुआ या न टूटा हुआ
अर्धवृत्त जो पहली उंगली के
नीचे से शुरू होकर चौथी
उंगली तक जाता है। F. R.
ऐसे लोग इन्द्रिय सेवी और
अथवा मानसिक अधिक
यदि यह शादी की रेखा से
गुजरे तो शादी बहुत बुरा
अनुभव सिद्ध होगी।

SAT 10

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
11
शनि की अंगुली ✓
बहुत कम जोड़ जाती है

MON
12
शनि के उभार के
चारों ओर अव्यवस्थित
असफल, अन्धकार पूर्ण,
चिन्ताशील, बहुत कम
शादी करते हैं, यदि करते

TUE
13
हैं तो असफल।
दुर्भाग्य - निर्धन तथा दुखान्त

WED
14

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

MAY

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	...	...	1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

'मणि बन्ध'

THU 15

ये तीन होते हैं परन्तु तीनों एक साथ कम ही मिलते हैं। कलाई के पासवाला = I (स्वास्थ्य तथा शक्ति).

FRI 16

यदि यह चतुर्भाकार होगा तो बच्चों के रुकावट

SAT 17

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

SUN अनुभव रेखा
18

अर्धवृत्ताकार बुद्ध के आकार

MON - चन्द्र के आकार के, जो
19 सिर्फ चन्द्र के आकार पर
ही पाई जाती है।

भावुक, धार्मिकता, उत्साह

TUE और स्वप्न, ज्ञानध्यान
20 विचित्र शक्तियां, अभिप्रेरित
भी ही तो भी समस्याओं को
सुलझा सकें। ~~बोल्ड~~.

WED
21

it Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New

MAY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
...	...	...	...	1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

'निधन रेखा'

THU 22

अर्धवृत्ताकार, चन्द्र के ऊपर को मंगल के ऊपर से मिलाती है। यो च.क्षे. से कलाई की ओर निकल जाता है।

FRI 23

पहले प्रकार की बात्त से लगाव की इच्छायें। जब ज.रे. से कट जाती है तो मृत्यु ~~इच्छी बातें, आकुल~~

SAT 24

इच्छायें, कल्पनायें, खतरनाक

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
25 (आकस्मिक घटनायें ?

MON
26 शनि के ऊपर से आकर ज.र. को छूने वाली रेखायें, जब म.र. पर पड़े तो मस्तक को खतरा

TUE
27

WED
28

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

MAY

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	...	...	1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

तारा, भुज, चतुर्भुज
द्वीप, वृत्त, बिन्दु, खिचड़ी (Grille)

THU 29

'द्वीप'

जी.रे. पर. बीमारी
म.रे. दिमाग की कमज़ोरी
~~ह.रे. र.~~ हृ. की दुर्बलता

FRI 30

भा.रे. सांसारिक कार्यों में चिन्ता
सू.रे. नुकसान, सार्वजनिक घृणा

स्वा.रे. सख्त बीमारी

SAT 31

rit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN

1 खिचड़ी = Grille.

जिस आकार पर पाया जायेगा।

MON उस की विशेषताओं

2 को कम कर देगा।

तथा s[illegible]

केवल [illegible] स्थान के अतिरिक्त

TUE शेष सब जगह नाशनशाली

3

वृ०. पर :- शान्ति, धनादि, उन्नति

सूर्य पर :- धन, यश, [illegible]

WED जनिक जीवन

4

बुद्ध पर :- व्यापार, विशाल आरम्भ

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

JUN

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	..	—	...	..	

THU 5

शुक्र (जो लू. के नीचे है) पर
बुद्ध में नामवरी
यश

चन्द्रमा पर :– नये विचार
आविष्कार

FRI 6

शुक्र (जो बुद्ध के नीचे) इज्जत
ज्यादा

काल क० उमर :– परातन पूर्ण
ज्ञानों में

SAT 7

सफलता

8 2
राशि क० :– आत्मज्ञ शक्ति
ज्ञान को दिखाना

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN गुणक Cross

8

केवल एक लग्न द्वादश स्थान

MON अर्थात वृहस्पति उ०

9 भाग्यवाली प्रेम का होना।

शनि के ऊपर पर अचानक

मृत्यु

TUE

10 ... ... वैद्यनाथ

शुक्र (जो गुरु के नवांश) प्रतिकूलता

शुक्र (जो गु. " ") झगड़ा, मृत्यु

WED

चन्द्रमा - - - घातक घनका

रोग का होना।

यदि नारी नदी को तैरती

डूबने से मृत्यु

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, No

JUN

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

THU

कालि के उत्तर पर :- प्रेम घातक ज्ञान

प॰ रे॰ पर :- हिमाद्रि-चोर

ह॰ ए॰ :- प्रियकी मृत्यु

FRI
13

SAT
14

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN 15 "चतुर्भुज"

रेखो का चिन्ह

MON 16

जी.हृ. पर :- मृत्यु के रेखा

आ.र. :- हानि के रेखा

इसी प्रकार अन्य रेखाओं

TUE — — — —

17 निर्बलकारक रेखायें हैं-.

जिनके रेखो की उन्नति को रोकते हैं।

WED 18 यदि रेखा किसी रेखो पर समाप्त हो तो ख्याति बुरी

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

मध्य रेखायें ; अन्य रेखाओं के मध्य।
को बढ़ा देती

THU 19

Ascending रेखायें शुभ।
Descending रेखायें अशुभ।
कोई रेखा आके मैं हो और
दूसरे में न हो तो कोई

FRI 20

फल नहीं।
बड़ा त्रिकोण
जी.र + म.र + स्वा रे.।

SAT 21

चतुष्कोण
मस्तक तथा हृ. र. के बीच
यदि काफ चौड़ा हो तो व्यक्ति

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN 22
आत्मिक चाहता हो
तो निर्णय की कमी

MON 23
उंगलियां
पहली उंगली लम्बी हो तो
प्रेम, दूसरों पर अधिकार
छोटी हो तो उत्तरदायित्व
की कमी,

TUE 24
दूसरी उंगली लम्बी हो तो
एकान्त प्रियता, विचारशीलता,
बुद्धिमत्ता। छोटी हो तो
गम्भीरता की कमी,

WED 25
जल्द बाजी

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

JUN

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

THU 26

तीसरी अंगुली छोटी हो तो धूर्तता, जरा बहुत लम्बी हो, बदनामी से धरा धन, जुए से प्रेम छोटी हो तो किसी वस्तुओं के प्रति अनिच्छा।

FRI 27

चौथी उंगली लम्बी हो तो मानसिक शक्ति का भावों का ज्ञान, वाक्पटुता छोटी हो विचारों को प्रकट करने में कठिनता।

SAT 28

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
29
अंगूठे और पहली
उंगली के बीच की जगह
खुली हो तो, विरक्त.

MON
30
पहली और दूसरी के
बीच जगह चौड़ी हो तो
विचारों की स्वतंत्रता
तीसरी और चौथी के बीच

TUE
1
कार्य की स्वतंत्रता
उंगलियाँ पीछे को झुकें तो
विचार ग्राह्यता, अन्दर को
झुकें तो, सुस्त, चिंताशील

WED
2

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

...	...	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31	—	—

नाखून Nails

THU 3

बहुत लक्षण :- शरीर की शक्ति
कम रही।
फेफड़े और धातु की
बीमारी थी।

FRI 4

छोटे नाखून दिल की
कमजोरी। विशेषकर जब
अर्धचन्द्रमा भी छोटे हों। अंगूठे
के नाखून के नीचे दिखाई दें।
तो हृदय की कमजोरी

SAT 5

संकरे, टेढ़े, पतले / पीठ की
कमजोरी

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
6 चपरें हों कागिए की
और लें गंगल के रंग
उगरें इने प्रतीतहा।

MON
7 तो कालिज —

उधार :-
फजाल :- प्रेम, इंद्रियलोवा, नालि

TUE
8
शुक्र :- भारत, चैतन्यता, लड़ाई
गु :- शानिलता, व्यापार,
विस्तार

WED
9
बुध :- विचार, नवीनता
परिवर्तन

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, Ne

JUL

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
—	...	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31	—	—

THU 10

सूर्य :- चमत्कृतता, सफलता, फल

बृहे :- इच्छा, शक्ति, राज्य

FRI 11

शनि :- निराशा, रोग, चिन्ता, गम्भीरता।

SAT 12

t Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
13

MON
14

TUE
15

WED
16

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

JUL

...	...	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31	...	...

THU
17

FRI
18

SAT
19

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
20

MON
21

TUE
22

WED
23

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

JUL

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31	...	..

THU
24

FRI
25

SAT
26

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
27

MON
28

TUE
29

WED
30

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

JUL

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31	...	...

THU
31

FRI
1

SAT
2

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
3

MON
4

TUE
5

WED
6

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

AUG

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
31	...	...	...	...	1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

THU
7

FRI
8

SAT
9

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
10

MON
11

TUE
12

WED
13

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

AUG

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
31	...	...	...	...	1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

THU
14

FRI
15

SAT
16

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
17

MON
18

TUE
19

WED
20

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

AUG

31	...	...	...	...	1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

THU
21

FRI
22

SAT
23

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
24

MON
25

TUE
26

WED
27

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

AUG

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
31	...	...	...	...	1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

THU
28

FRI
29

SAT
30

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N
SUN
31

MON
1

TUE
2

WED
3

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan,

SEP

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	...	...	...	...

THU
4

FRI
5

SAT
6

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
7

MON
8

TUE
9

WED
10

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan,

SEP

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	...	...	...	...

THU
11

FRI
12

SAT
13

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
14

MON
15

TUE
16

WED
17

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SEP

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	...	...	...	...

THU
18

FRI
19

SAT
20

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
21

MON
22

TUE
23

WED
24

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SEP

...	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	...	...	...	...

THU
25

FRI
26

SAT
27

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
28

MON
29

TUE
30

WED
1

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

OCT

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	...	...	1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	...

THU
2

FRI
3

SAT
4

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN

5

MON

6

TUE

7

WED

8

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

OCT

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	[illegible]
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

THU
9

FRI
10

SAT
11

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan,

SUN
12

MON
13

TUE
14

WED
15

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

OCT

...	...	...	1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	..

THU
16

FRI
17

SAT
18

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
19

MON
20

TUE
21

WED
22

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

OCT

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

THU
23

FRI
24

SAT
25

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

SUN
26

MON
27

TU_
28

WED
29

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

OCT

			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

THU
30

FRI
31

SAT
1

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan
SUN
2

MON
3

TUE
4

WED
5

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

NOV

30	...	...	...	...	...	1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

THU
6

FRI
7

SAT
8

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan
SUN
9

MON
10

TUE
11

WED
12

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

NOV

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

THU
13

FRI
14

SAT
15

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan.
SUN
16

MON
17

TUE
18

WED
19

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

arkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

NOV

Sun	Mon	Tue	Wed			
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

THU
20

FRI
21

SAT
22

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan

SUN
23

MON
24

TUE
25

WED
26

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

NOV

30	...	...	...	...	...	1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

THU
27

FRI
28

SAT
29

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan

SUN
30

MON
1

TUE
2

WED
3

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

DEC

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31	...	...	...

THU
4

FRI
5

SAT
6

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan

SUN
7

MON
8

TUE
9

WED
10

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

DEC

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
...	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31	...	...	...

THU
11

FRI
12

SAT
13

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan

SUN
14

MON
15

TUE
16

WED
17

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

DEC

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
—	1	2	3	4	[illegible]	[illegible]
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31	—	—	Jan

THU
18

FRI
19

SAT
20

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan

SUN
21

MON
22

TUE
23

WED
24

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, N

DEC

	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

THU
25

FRI
26

SAT
27

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizati

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan

SUN
28

MON
29

TUE
30

WED
31

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

NOTES

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan

NOTES

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, I

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

kala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan,

agbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiz

rkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan,

Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitiza

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri